समाज सेवा कार्यों से जुड़े लोग वन्दनीय
ब्रह्माकुमारी संगठन में समाज सेवा प्रभाग सम्मेलन आरंभ

माउंट आबू, 15 जून। जन अभाव अभियोग निवारण समिति अध्यक्ष मुमताज मसीह ने कहा है कि सेवा परम धर्म है। स्वार्थरहित समाज सेवा कार्यों से जुड़े लोग वन्दनीय है। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर परिसर में समाज सेवा प्रभग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में देश भर से आए समाजसेवियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि समाज सेवा के लिए पद प्रतिष्ठा और मान सम्मान की जरूरत नहीं होती है। उसे ऊंच-नीच, जाति-पाति की सीमाओं में विभाजित नहीं किया जा सकता। ब्रह्माकुमारी संस्थान समाज में जिस प्रकार मूल्यों की पुर्नस्थापना के कार्य में जुटा हुआ है वह अपने आप अद्वितीय सेवा है।सेवाओं के क्षेत्र अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन मानवीय चरित्र निर्माण की सेवा सभी सेवाओं से महान है। निर्माण की दौड़ में चरित्र निर्माण के साथ वसुधा की सेवा को नहीं भूलना चाहिए।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोि◌नी दादी जानकी ने कहा कि दूसरों के दुःख हरने वाला व्यक्ति ही स◌ा समाज सेवी है। अहमभाव तथा मान-शान की इ%छा से दूर रहकर विनम्रता की प्रतिमूर्ति बनने से समाज सेवा के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने से जीवन में स्थाई खुशी से संपन्न रह सकते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हाराम की पुत्री, रामनांद तीर्थ मेमोरियल हैदराबाद महामंत्री एस. वाणी देवी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में विभिन्न प्रकार की तनावजन्य परिस्थितियों से निजात पाने की संजीवनी बूटी का नाम है सहज राजयोग। राजयो◌ के जरिए मानसिक धरातल को स्वच्छ एवं निर्मल बनाते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोया जा सकता है। ब्रह्माकुमारी संगठन की निस्थार्व सेवाओं का समाज पर खासा प्रभाव पड़ा है। जिससे समाज को अवश्य ही नई दिशा मिले◌ी।

समाज सेवा प्रभग अध्यक्ष बी. के. संतोष बहन ने कहा कि आध्यात्मिकता अनुशासन सिखाने के साथ दूसरों के प्रति सच्ची श्रद्वा के सुमन पैदा करती है। प्रभागउपाध्यक्ष बी. के. अमीर चंद ने कहा कि सत्यनिष्ठ जीवन पहला मानवीय मूल्य है जहां विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य बोलने की शक्ति सन्निहित हो वहां मूल्यनिष्ठ समाज स्वतः ही निर्मित हो जाता है। समाजसेवकों के मन में सदैव जलते दीपक की भांति दूसरों को रोशनी देने की भावना होनी चाहिए। इस मौके पर समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक प्रेम सिंह, मुख्यालय संयोजक बी. के. अवतार, मुंबई क्षेत्रीय संयोजिका बी. के. वन्दना बहन सहित विभिन्न वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए।

माउंट आबू। समाजसेवा प्रभाग के सम्मेलन का उदघाटन करते अतिथिगण। व कार्यक्रम में देश भर से आए समाजसेवी।

आलोचनाओं से परे रहते हैं समाज सेवी
ब्रह्माकुमारी संगठन में समाजसेवकों का सम्मेलन संपन्न

माउंट आबू, 17 जून। नेपाल के पूर्व ऊर्जा मंत्री चन्द्र सिंह ने कहा है कि समाज सेवा में कई प्रकार की आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है लेकिन एक सच्चा समाज सेवी उसकी परवाह किए बगैर अपनी मंजिल की ओर बढ़ने में अग्रसर रहता है। वे सोमवार को ब्रह्माकुमारी सगठन के ज्ञान सरोवर परिसर में समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहीं थी।

उन्होंने ब्रह्माकुमारी सगठन की सेवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि चरित्र निर्माण और मूल्यों की स्थापना करने में संस्थान द्वारा जो सराहनीय कार्य किया जा रहा है उसकी बदौलत संगठन समस्त विश्व में फैलकर श्रेष्ठ समाज के पुनर्निमाण में अपनी अहम भूमिका अदा कर रहा है। समाज में श्रेष्ठ संस्कारों को प्रचारित करने के लिए मानवीय वैचारिक धरातल को भी बदलने की जरूरत है और इस कार्य को अंजाम देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सं◌ठन के साथ मिलकर अपनी विशेष जिम्मेदारी समझनी हो◌ी।

औरंगाबाद एम्पावरमेंट फाउंडेशन ज्वाइंट सेक्रेटरी राजेश चंचाली ने कहा कि किसी भी सामाजिक सं◌ठन का ध्येय समाज उत्थान होता है। भौतिक साधन तो बढ़ रहे हैं लेकिन समाज सकारात्मक रूप से सुधरे उसका अभाव दिखाई दे रहा है। हमारी सशक्त सोच ही समाज को परिवर्तन कर सकती है। समाज सेवा प्रभाग अध्यक्ष राजयोगिनी संतोष बहन ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले महानुभाव अनेक प्रकार के साधनों व विधियों का प्रयोग करके सामाजिक स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास तो करते हैं लेकिन स्वयं में आध्यात्मिक मूल्यों के अभाव व कुछ निजी स्वार्थों के आकर्षण की वजह से जो सफलता मिलनी चाहिए उससे वचिंत रह जाते हैं।

विज्ञान एवं तकनीक प्रभाग राष्ट्रीय संयोजक मोहन सिंहल ने कहा कि समाज को सुधारने का बीड़ा समाज सेवी संस्थाओं को मिलकर उठाना होगा। वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों का निवारण करने के लिए स्वयं को सशक्त बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सहजराजयोग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। समाज सेवा प्रभाग कार्यकारी सदस्य बी. के. सीता बहन ने कहा कि समाज अनेक ईकाईयों का बना है इसलिए सर्वप्रथम व्यक्ति परिवर्तन की आवश्यकता है। परमशक्ति के साथ संबंध स्थापित करने से ही स्वयं का परिवर्तन संभव है। आज अन्नदान, कपड़े का दान, धन का दान तो सब करते हैं लेकिन वर्तमान समय मनुष्यों में मानवीय मूल्यों की गरीबी है जिस को निर्मूल करने के लिए हरेक व्यक्ति को स्वजीवन में दिव्यगुणों का समावेश करना होगा।

दो फोटो 17एमएबी1,2

माउंट आबू। ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर में समाज सेवा प्रभाग सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते नेपाल के पूर्व ऊर्जा मंत्री चन्द्र सिह व सभगार में उपस्थित देश भर से आए समाजसेवी।